दैनिक भास्कर

30.01.2026

# विश्लेषणात्मक तकनीक विषय पर हाजीपुर में हुआ सेमिनार

सिटी रिपोर्टर | हाजीपुर

राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाईपर) हाजीपुर में संस्थान के सेमिनार हॉल में औषधीय अनुसंधान में एचपीएलसी-आधारित विश्लेषणात्मक (एनालिटिकल) तकनीक विषय पर दो दिवसीय हैंड्स-ऑन प्रशिक्षण सह सेमिपर का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में नाईपर-हाजीपुर के निदेशक निदेशक प्रो. के. रुक्मणी ने संबोधित करते हुए कहा कि औषधीय एवं जैव-चिकित्सीय अनुसंधान में उन्नत विश्लेषणात्मक (एनालिटिकल) तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। तकनीकी सत्रों में क्रोमैटोग्राफी के मूल सिद्धांत, एचपीएलसी विधि विकास एवं प्रमाणीकरण, शुद्धिकरण रणनीतियाँ, मास स्पेक्ट्रोमेट्री, जैव-औषधीय विश्लेषणात्मक

अतिथियों के साथ विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिभागी

कार्यप्रवाह (वर्कफ्लो) तथा एचपीएलसी के औद्योगिक अनुप्रयोगों पर विस्तृत चर्चा की गई। नाईपर-हाजीपुर के विशेषज्ञ संकाय सदस्यों एवं सिम्को-शिमाजू के तकनीकी विशेषज्ञों ने संसाधन व्यक्तियों के रूप में सत्रों का संचालन किया। कार्यक्रम का प्रमुख बिंदु इंटेंशिव हैण्ड-ऑन प्रशिक्षण रहा, जिसमें प्रतिभागियों को विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में छोटे समूहों में एचपीएलसी प्रणालियों पर प्रत्यक्ष रूप से कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ।

**देश के कुल 37 संस्थानों के प्रतिभागी हुए शामिल**

प्रशिक्षण सह सेमिनार में देश भर के शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थानों के कुल 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया। जिसमें संकाय सदस्य, पीएचडी शोधार्थी, छात्र तथा कार्यरत फार्मासिस्ट शामिल थे। कार्यक्रम में उपस्थित प्रतिभागी इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, हल्दिया इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, सेंट्रियन यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, पटना विश्वविद्यालय, दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना, जय प्रकाश विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रतिभागी शामिल हुए।

**इन्होंने किया विचार व्यक्त**

कार्यक्रम के संयोजक सह नाइपर औषधीय विश्लेषण डॉ. पी. रामलिंगम, वैज्ञानिक डॉ. अनुपम जना ने औषधीय विश्लेषण के क्षेत्र में कौशल विकास, क्षमता निर्माण तथा उद्योग- शैक्षणिक सहयोग को सुदृढ़ करने की ओर से नाइपर हाजीपुर की प्रतिबद्धता को दोहराया।